Result Mitra Daily Magazine

डायनासोर जीवाश्म

➢ हालिया संदर्भ :

- वैज्ञानिकों ने हाल ही में दक्षिणी ब्राजील में गोंडवानाक्स पैरैसेंसिस (GP) नामक सरीसृप प्रजाति का जीवाश्म खोजा है, जो 237 मिलियन वर्ष पुराना है।
- यह खोज डायनासोर के उद्भव के बारे में जानकारी दे सकता है।

➢ GP :

- यह चार पैरों वाला एक सरीसृप था, जो कुत्ते के आकार का था।
- यह ट्राइसिक काल (जब पृथ्वी बहुत गर्म थी) में दक्षिणी ब्राजील में रहता था।
- इसका संबंध 'सिलेसौरिड्स' नामक विलुप्त सरीसृप की प्रजाति से है।
- गोंडवानाक्स का अर्थ–'गोंडवाना का स्वामी' होता है, जो सुपर कॉन्टिनेंट पैंजिया के दक्षिणी भाग को संदर्भित करता है।
- प्रजाति का नामकरण पैराइसेंसिस डू सूल शहर के नाम पर हुआ है, जहां यह खोजा गया था।
- पैलियोजोइक काल में गोंडवाना एवं लॉरेंशिया ने पैंजिया का निर्माण किया, जहां कई डायनासोर रहते थे, जो धीरे-धीरे विलुप्त होते गए एवं लावा में समाते गए।
- जुरासिक युग के अंत में गोंडवाना लैंड टूट गया, जिससे आस्ट्रेलिया, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका एवं भारतीय उपमहाद्वीप का निर्माण हुआ।

Result Mitra

➢ भारत में डायनासोर :

- अध्ययन बताते हैं कि भारत में डायनासोर ट्राइसिक युग से लेकर क्रेटेशियस युग के अंत अर्थात 200 मिलियन वर्ष–65 मिलियन वर्ष पूर्व तक मौजूद थे।
- राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु एवं कर्नाटक में पिछले कुछ वर्षों के दौरान डायनासोर के अवशेष पाए गए हैं।
- भारत में सबसे मशहूर डायनासोर में 'राजा सौरस' का नाम शामिल है, जिसके जीवाश्म को सर्वप्रथम 1980 के दशक में खोजा गया था।
- ईस्ट इंडिया कंपनी के कैप्टन विलियम स्लीमैन ने सर्वप्रथम 1828 में भारत में डायनासोर की हड्डी खोजी थी। यह टाइटनासोर की हड्डी थी, जिसे जबलपुर छावनी के पास बारा–सिमला पहाड़ी के पास से प्राप्त किया गया था।
- भारत में अब तक प्राप्त डायनासोर के अवशेषों में सबसे बड़ी प्रजाति बारापासोरस टैगोरी है, जो 4 मीटर लंबा एक सॉरोपोड है।
- उसकी हड्डियां 1958–1961 के बीच खोजी गई थी।

Result Mitra